पर्यावरण संरक्षण पर देशभर में इंदौर ने बेहतर कार्य किया : डॉ . अहमद

- जिला स्तरीय पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित

नव भारत न्यूज

इंदौर. देशभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर इंदौर में बेहतर कार्य किए जा रहे हैं. इसे और बेहतर करने के प्रयास किए जाना चाहिए. यह बात यहां पर्यावरण सुधारों को लेकर आयोजित जिला स्तरीय पर्यावरण समिति की बैठक में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद ने कही.

बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई इस बैठक में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद भी मौजूद थे. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में इंदौर ने देशभर में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे आगे और अधिक बेहतर करने की आवश्यकता है. बैठक में शहर में प्रदूषण नियंत्रण, हरियाली विस्तार, अपशिष्ट प्रबंधन और नदियों की स्वच्छता जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई. डॉ. अहमद ने सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से इंदौर को देश में पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी शहर बनाए रखने का आह्वान किया.

डॉ. अहमद ने कहा कि इंदौर जागरूक जनता का शहर है. विकासात्मक गतिविधियों में जनता की भूमिका हमेशा उल्लेखनीय रहती है. उन्होंने सभी के समन्वित प्रयासों से इंदौर को नम्बर वन बनाए रखने की निरंतर जरूरत पर बल दिया.

हरित क्षेत्र विकसित करने निरंतर मॉनीटरिंग करें

उन्होंने इंदौर में यातायात प्रबंधन के लिए एसओपी जारी करने, जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और तालाबों का सीमांकन तथा खाली जमीन पर वृक्षारोपण करने पर जोर दिया. साथ ही शहर में नई कॉलोनियों में अनिवार्य रूप से 14 प्रतिशत हरित क्षेत्र विकसित करने की निरंतर मॉनिटरिंग भी करने को कहा. प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक और अन्य इकाइयों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. सडक़ों की मरम्मत का कार्य जल्द पूरा किया जाए. बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने पर्यावरण सुधार के लिए इंदौर जिले में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी. जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता और जल संरक्षण कार्यों के बारे में बताया.

देवास विधायक की पलासिया स्थित जमीन का तीन माह में फैसला करे निगम : हाईकोर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम ने देवास की विधायक एवं महारानी गायत्री देवी पंवार के आधिपत्य का इंदौर के पलासिया क्षेत्र स्थित 35 हजार वर्गफीट के प्लॉट का लगभग 29 वर्ष से बकाया संपत्ति कर जमा करवाया है. संपत्ति कर की उक्त राशि का भुगतान करने के बाद मामला हाईकोर्ट चला गया. इस पर हाईकोर्ट ने नगर निगम को तीन माह में निर्णय करने के आदेश दिए हैं.

नगर निगम ने शहर के पलासिया क्षेत्र में प्लाट नं. 21 और 22 पर संपत्ति कर के 64 लाख रुपए भरवाए हैं. उक्त प्लॉट देवास विधायक गायत्री देवी पंवार का है. गायत्री देवी देवास राजघराने की महारानी हैं. वे इंदौर के पलासिया क्षेत्र स्थित 35 हजार वर्गफीट से ज्यादा बड़े प्लॉट की मालिक हैं. वर्तमान में पलासिया स्थित उक्त जमीन की कीमत 125 करोड़ रुपए के करीब बताई जाती है. गायत्री देवी पंवार तुकोजीराव पंवार धार्मिक और पारमार्थिक ट्रस्ट की संचालिका भी हैं.

दरअसल, पलासिया स्थित प्लॉट नं. 21 और 22 पर बहुमंजिला इमारत बनाने का नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा को आवेदन मिला है. उक्त प्लॉट पर नक्शा पास करने के लिए निगम का कोई कर बकाया नहीं होने पर ही आवेदन और नक्शा स्वीकृत करने का नियम है. इस पर नगर निगम ने पलासिया के प्लॉट नं. 21 और 22 पर वर्ष 1996 से 2023-24 तक का बकाया 60 लाख रुपए से ज्यादा संपत्ति कर बकाया होने का नोटिस दिया. इस पर उक्त संपत्ति कर जमा कर दिया गया. मगर ट्रस्ट की ओर से इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल कर दी गई. याचिका में ट्रस्ट ने उक्त जमीन पर किसी भी तरह का आवासीय, व्यवसायिक और अन्य उपयोग नहीं किए जाने का तर्क देते हुए बताया है कि नगर निगम ने 35 हजार वर्गफीट प्लॉट का संपत्ति कर गलत तरीके से लगाया और अधिभारित किया है. इस पर निगम की ओर से उक्त मामले में हाईकोर्ट को जवाब देते हुए कहा गया है कि नगर निगम अधिनियम के तहत ही टैक्स गणना की गई है. दोनों पक्षों के तर्क सुनते हुए हाईकोर्ट ने नगर निगम को उक्त प्लॉट का तीन माह में फैसला करने के आदेश दिए हैं.

एक नजर में

जानकीनाथ मंदिर में मनाया अन्नकूट महोत्सव

इंदौर. शहर के प्राचीनतम जानकीनाथ मंदिर में आज अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. भगवान का नयनाभिराम श्रृंगार कर छप्पन भोग सजाए गए. श्री माहेश्वरी साढ़े सात सौ पंचायती ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मण पटवा एवं मुरलीधर नवाल ने बताया कि सुबह से ही महोत्सव की तैयारी प्रारंभ हो गई थी. स्वयं 7 बजे मंदिर के पट खोले गए. भगवान के मनोहारी श्रृंगार के दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे. भगवान जानकीनाथ को छप्पन भोग अर्पित किए गए. इस अवसर पर ट्रस्ट के ओम सोमानी श्री हरि, मनीष बाहेती भी उपस्थित थे. देर रात तक श्रद्धालुओं के दर्शन का ताता लगा रहा.

धरावराधाम गौशाला पर गौवंश की पूजा-अर्चना

इंदौर. धार रोड स्थित श्री धरावरा धाम आश्रम पर आज गोवर्धन पूजा का आयोजन महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में धूमधाम से किया गया. आश्रम की गौ शाला के सभी गो वंश का आकर्षक श्रृंगार कर उनका पूजन कर उन्हे 56 भोग परोसे गए. बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने गौशाला पहुंच कर गायों की पूजा-अर्चना की. आश्रम परिवार के डॉ. सुरेश चौपड़ा, नानूराम चौधरी, सुधीर अग्रवाल, दिनेश गर्ग, कल्याण भांगड़िया, संतोषसिंह, गोविंद मंगल, अशोक कुमावत, सीताराम नरेड़ी भी उपस्थित थे, जिन्होंने गौ भक्तों की अगवानी की. गोपाष्टमी पर 28 अक्टूबर को शाम साढ़े 6 बजे से हनुमानजी को 56 भोग लगा कर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा.

विद्याधाम पर गोवर्धन पूजा

इंदौर. विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में आश्रम की गौशाला पर सुबह से शाम तक गौ भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा. आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि अनेक भक्त अपने-अपने घरों से व्यंजन बनाकर लाए और गौ माता की सेवा की. आश्रम पर बुधवार 29 अक्टूबर को छप्पन भोग एवं अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा. गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में आश्रम की गौशाला में खाद्य सामग्री उपलब्ध रहेगी, जिसे गौ भक्त अपने हाथों से गौ माता को परोस कर पुण्य लाभ उठा सकेंगे. महाआरती शाम 6 बजे होगी.

स्कूल कर्मचारियों को खाद्य सामग्री वितरित

इंदौर. दिल्ली पब्लिक स्कूल, राऊ, इंदौर ने एक भावनात्मक काइंडनेस इनिशिएटिव एक मुट्ठी प्यार का आयोजन किया. इस पहल का उद्देश्य विद्यालय में कार्यरत उन लोगों के जीवन में खुशियाँ और गर्मजोशी लाना था, जो पर्दे के पीछे रहकर निरंतर मेहनत करते हैं. विद्यालय के कम्युनिटी सर्विस क्लब द्वारा संचालित इस पहल में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. तेल, घी, मैदा, सूजी, चीनी और बेसन जैसी आवश्यक वस्तुएँ एकत्र की गईं और उन्हें विद्यालय के हाउसकीपिंग स्टाफ, माली तथा संतृप्ति दीदी-भैयाओं में वितरित किया गया. इस पहल का उद्देश्य करुणा, उदारता और सहानुभूति के उन मूल्यों को पोषित करना था, जो वास्तव में त्योहारों का सार हैं. विद्यालय की प्राचार्या सुश्री आशा नायर ने कहा कि शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है- यह विद्यार्थियों में दया, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं के मूल्यों को संजोने का माध्यम है. ऐसे सेवाभाव से जुड़े कार्य विद्यार्थियों को दान की परिवर्तनकारी शक्ति और दूसरों को सहानुभूति और स्नेह से ऊपर उठाने की सुंदरता सिखाते हैं.

फैबइंडिया मना रहा छठ उत्सव का जश्न

इंदौर. त्योहारों के इस शुभ अवसर पर फ़ैबइंडिया ने स्वर्णिम छठ पूजा कलेक्शन पेश किया है, जो लाल, मैजेंटा और गोल्ड जैसे चमकदार रंगों से प्रेरित है. इस कलेक्शन में हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला शामिल हैं साथ ही त्यौहार की सांस्कृतिक गहराई और उत्साह को दर्शाया गया है. इस कलेक्शन का हर प्रोडक्ट, भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इसमें पारंपरिक कलाओं से प्रेरित कलात्मक बुनाई शामिल हैं, जो परंपरा और डिज़ाइन के बीच के अटूट संबंध को खूबसूरती से उजागर करते हैं. खूबसूरत रंगों का सुन्दर मेल इस कलेक्शन को और भी शानदार बनाता है, जो पारिवारिक समारोहों, त्यौहारी अनुष्ठानों और उपहार के रूप में आदर्श विकल्प है. ये कलेक्शन पूरे परिवार के लिए एक शानदार फेस्टिव रेंज प्रस्तुत करती है - महिलाओं के लिए इसमें सुंदर साडी, कुर्ता और दुप्पटा शामिल हैं. पुरुषों के लिए इस कलेक्शन में गहरे लाल और गहरे मैजेंटा शेड्स में क्लासिक कुर्ता और जैकेट उपलब्ध हैं. वही बच्चों के कलेक्शन को कम्फर्ट और सुंदरता को ध्यान में रख के तैयार किया गया है.

अभी चलाएं, 2026 में पैसा चुकाएं ऑफर

इंदौर. प्रामाणिक परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकिलों को फिर से स्टाइल में लाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर शुरू किया है. इस ऑफर के तहत राइडर्स आज ही अपनी सपनों की मोटरसाइकिल घर ले जा सकते हैं और इसकी ईएमआई 2026 से ही शुरू कर सकते हैं. खरीदार अब आवश्यक डाउन पेमेंट देने के बाद अपने पसंदीदा जावा, येज़्दी या बीएसए मोटरसाइकिल की डिलीवरी ले सकते हैं. क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने कहा, अधिकांश राइडर्स के लिए, हमारी मोटरसाइकिलों में से एक का मालिक होना उतना ही व्यावहारिक है जितना कि एक क्लासिक मोटरसाइकिल के लिए भावनात्मक आकर्षण. हमारा अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर उत्सव के इस मौसम में खरीदारी को आसान और खास बनाता है. हमारे खरीदार बिना इंतज़ार किए जावा, येज़्दी या बीएसए को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बना सकते हैं, जबकि हमारा ऑफर 2026 तक ईएमआई भुगतान के दबाव को कम करता है.

दत्त जयंती हीरक महोत्सव व डॉ . बाबा साहेब तराणेकर अमृत महोत्सव कल से

- 3 दिवसीय महोत्सव की शुरुआत 108 वैदिक विद्वानों एवं आचार्यों द्वारा शांति पाठ से होगी

इंदौर. श्री नाना महाराज तराणेकर संस्थान द्वारा 24 अक्टूम्बर से 26 अक्टूम्बर तक आयोजित श्री दत्त जयंती हीरक महोत्सव एवं डॉ. बाबा साहेब तराणेकर अमृत महोत्सव की तैयारिया जोर शोर से जारी है. सहयोगी संस्थाएँ अखिल भारतीय त्रिपदी परिवार और श्री शांतापुरुष सेवा संस्था, नागपुर है. सभी कार्यक्रम किला मैदान रोड, आनंद मांगलिक भवन, पुलिस ग्राउंड रामकृष्ण मिशन के पास में संपन्न होंगे. इस 3 दिवसीय महोत्सव के विभिन्न सत्रों में तुला दान, नृत्य संकीर्तन, महिलाओ द्वारा सत्यनारायण पूजन, संतों के उद्बोधन, पुस्तक विमोचन , राजोपचार पूजा, संत समागम सहित कई कार्यक्रम होंगे.

यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक तेजस और तारक तराणेकर ने बताया कि महोत्सव की तैयारिया बीते कई दिनों से जारी है और अब उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है. . संपूर्ण आयोजन में 8 राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलगांना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के करीब 4 हजार भक्त शामिल होंगै. महोत्सव की शुरुआत 24 अक्टूम्बर को 108 वैदिक विद्वानों एवं आचार्यों द्वारा शांति पाठ मंत्र से होंगी. डॉ. बाबा साहेब तराणेकर के सानिध्य में 108 विद्वान चारों वेदों की संहिता का पठन करेगे. इसी दिन शाम को 5 बजे तुला दान कार्यक्रम होगा। इस मौके पर 75 दंपतियो द्वारा बाबा साहेब को धान्य, वस्त्र फल, मेवा, मिष्ठान सहित 75 सामग्री से 75 बार तौला जायेगा. शाम 7 बजे संस्कृतिकर्मी अक्षय आयरे के समूह द्वारा नृत्य संकीर्तन होगा. 25 अक्टूम्बर को सुबह के सत्र में 750 महिलाओ द्वारा एक साथ श्री सत्य नारायण पूजन किया जायेगा. 11 बजे से स्वामी रंगनाथाचार्यजी महाराज आदि के उद्बोधन होंगे.

भगवान टीकमजी का मोगरे के फूलों से सजा दरबार

- श्रीराम मंदिर पंचकुइया में मना अन्नकूट महोत्सव
- लगा छप्पन भोग, हुई 108 दीपों से महाआरती

इंदौर. पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम मे दीपावली के पावन पर्व पर आयोजित अन्नकूट महोत्सव साधु संतों के सानिध्य में मना. 406 वर्षों से चली आ रही परांपरागत परंपराओं का निर्वहन हुआ. शाम को भगवान टीकमजी के दर्शन द्वारकाधीश के स्वरूप में हुए. सैकड़ों दीपों से परिसर जगमग हुआ. अग्र - मलूकपीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में महाआरती हुई.

पंचकुइया पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने बताया कि मंदिर मे अन्नकूट महोत्सव की शुरूआत शाम 7 बजे से हुई. भगवान टीकमजी महाराज का विशेष श्रृगांर कर द्वारकाधीश के स्वरूप मे दरबार सजा. साथ ही भगवान का फूल बंगला मोगरे, गुलाब, सहित अन्य किस्मों के फूलो से सजा. विभिन्न प्रकारों के पकवानों से निर्मित छप्पन भोग भी लगा. 108 दीपों से महाआरती की गई. भगवान टीकमजी ने द्वारका धाम के स्वरूप में दर्शन दिए. अन्नकुट महोत्सव मे भगवान को नये अनाज से बने 56 तरह के पकवानों का भोग लगाया गया. उसी को अन्नकूट कहते हैं. वहीं 36 प्रकार की सब्जियों को मिश्रण कर बनाई गई सब्जी का भोग भी लगा. अन्नकूट महोत्सव में अग्र-मलूकपीठाधीश्वर द्वाराचार्य स्वामी श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज का आगमन हुआ, भक्तों ने गुलाब की पंखुड़ियां बरसा कर स्वागत किया, महाराज श्री ने भगवान टीकम जी का पूजन अर्चन किया फूल बंगला का दर्शन किया.

लक्ष्मणदास महाराज का स्मरण किया

महोत्सव में महामंडलेश्वर राधे राधे बाबा, महामंडलेश्वर चैतन्य स्वरूप महाराज, महंत अर्जुन दास महाराज सहित अन्य संतों का आगमन हुआ. सभी संतों का स्वागत हार फूल माला पहनकर संत जानकी बल्लभ दास महाराज ने किया. महोत्सव में मंदिर के ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर लक्ष्मण दास महाराज को फूल बंगले में विराजित किया, सभी संतो और भक्तों ने उनका स्मरण किया. इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, नारायण अग्रवाल, अशोक बिदासरिया, हरिनारायण गोयल, गुड्डा गोयल सहित अन्य भक्त मौजूद थे.

एनसीसी ओपन वैकेंसी के अंतर्गत कैडेट्स का पंजीयन

- 90 छात्र-छात्राओं ने दिया फिजिकल टेस्ट

इंदौर. एनसीसी ग्रुप इंदौर की 9 एमपी बटालियन एनसीसी इंदौर के कमान अधिकारी कर्नल मोहन तिवारी के मार्गदर्शन में बटालियन के नेहरू नगर स्थित परेड ग्राउंड पर प्रथम बार ओपन वेकेंसी में कैडेट्स का एनरोलमेंट किया गया.

कमान अधिकारी कर्नल मोहन तिवारी ने बताया कि ओपन वेकेंसी एनरोलमेंट का मुख्य उद्देश्य उन महाविद्यालयों तथा विश्विद्यालयों के विद्यार्थियों का एनरोलमेंट करना था, जहां एनसीसी नहीं है. चूंकि इस वर्ष उच्च शिक्षा विभाग में काफी वर्ष बाद विद्यार्थियों का दीपावली का लम्बा अवकाश होने के बावजूद इंदौर जिले के अलग अलग शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों तथा विश्विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने भारतीय सेना में अपने कैरियर को ध्यान में रखकर आर्मी विंग एनसीसी के एनरोलमेंट में रुचि दिखाई. आज नेहरू नगर स्थित बटालियन मुख्यालय पर इंदौर नगर के 18 विभिन्न विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के अलग अलग विषयों में प्रथम वर्ष में अध्यनरत विद्यार्थियों ने ओपन वेकेंसी में एनरोलमेंट हेतु भाग लिया. कर्नल तिवारी ने बताया कि आज अलग अलग विश्वविद्यालय, महाविद्यालय के 90 छात्र छात्राओं ने प्रातः 10 बजे बटालियन ग्राउंड पर पहुंच कर फिजिकल टेस्ट दिया. इस दौरान विद्यार्थियों से रनिंग, पुश अप, पुल अप, सिट आप फिजिकल टेस्ट सेना के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर द्वारा लिया गया. इस दौरान 24 सीनियर डिवीजन 14 पुरुष/10महिला कैडेट्स का एनरोलमेंट ओपन वेकेंसी के अंतर्गत आई के डी सी कॉलेज इंदौर तथा एल एन सी टी कॉलेज के लिए किया गया. ओपन वेकेंसी एनरोलमेंट प्रक्रिया के दौरान बटालियन के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल वरुण भारतीय सूबेदार मेजर बृजेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे.

समाजसेवियों ने गरीबों के घर जाकर पटाखे और मिठाइयां वितरित की

इंदौर। दीप पर्व पर सुधारामकृष्ण समित के मध्यम से समाजसेवी संजय तिवारी, अभिषेक सागर, रीनी थापा , एडवोकेट विनय तिवारी, नीलिमा वर्मा , एडवोकेट सिरिल, समाजसेवीं सपना शालू , टी ओ ऑफ़िसर विजय तिवारी और संजय तिवारी के देखरेख में गरीब बच्चों के बीच खुशियाँ बाँटने का एक सराहनीय कार्य किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन वंचित बच्चों तक त्योहार की खुशियाँ पहुँचाना था जो आर्थिक तंगी के कारण दिवाली का आनंद नहीं मना पाते है। समाजसेवियों ने गरीब बस्तियों में जाकर बच्चों को पटाखे, मिठाई, कपड़े और खिलौने वितरित किए। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखकर सभी का हृदय आनंद से भर गया।

इस अवसर पर समाजसेवकों ने बच्चों को स्वच्छता, शिक्षा और सद्भाव का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि दिवाली केवल दीप जलाने का त्योहार नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस पहल से समाज में प्रेम, करुणा और एकता का संदेश गया। ऐसे कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को सहायता मिलती है, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाएँ भी प्रबल होती हैं। समाजसेवियों की यह पहल वास्तव में प्रेरणादायक है और हर व्यक्ति को इससे सीख लेनी चाहिए कि दूसरों की खुशी में ही सच्ची दिवाली है।

एक नजर पर्वोत्सव : पुराख्यान, परंपरा और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न, प्रो . शर्मा का हुआ सारस्वत सम्मान

भूमि, भूगोल और खगोल से गहरा संबंध है भारतीय पर्वोत्सवों का : प्रो . शर्मा

इंदौर. प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. यह संगोष्ठी पर्वोत्सव: पुराख्यान, परंपरा और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में पर केंद्रित थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्री हरेराम वाजपेयी इंदौर ने की. मुख्य वक्ता सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं कुलानुशासक प्रो शैलेंद्र कुमार शर्मा थे.

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो शैलेंद्रकुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय पर्वोत्सव दुनिया में विलक्षण हैं. उनका इस देश की भूमि, भूगोल और खगोल से गहरा संबंध है। विविध पर्व और उत्सवों में पुराख्यान के साथ स्थानीय संस्कृति और लोककथाओं की गहरी छाप दिखाई देती है. ये जीवन की एकरसता और जड़ता को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. विभिन्न पर्वोत्सव आंतरिक शुद्धि के साथ आध्यात्मिक उन्नति में आधार देते हैं. पर्व और उत्सवों से समृद्ध परंपरा, संस्कृति, रीति रिवाज, मूल्य और आदर्शों से जुड़ाव सम्भव होता है. विशिष्ट अतिथि नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के महामंत्री डॉ हरिसिंह पाल, ओस्लो, नॉर्वे के वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश चंद्र शुक्ल शरद आलोक, प्राचार्य डॉ अनसूया अग्रवाल, महासमुंद छत्तीसगढ़, डॉ प्रभु चौधरी, डॉ जितेंद्र कुमार तिवारी, मुंबई, डॉ रश्मि चौबे, गाजियाबाद ने अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शैलेंद्र कुमार शर्मा का सारस्वत सम्मान किया गया. स्वागत भाषण डॉ प्रभु चौधरी, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, उज्जैन ने दिया. वाग्देवी वंदना और संचालन श्वेता मिश्रा बेंगलुरु ने किया. आभार प्रदर्शन डॉ रश्मि चौबे, गाजियाबाद ने किया.

एकता को मजबूती देने में अविस्मरणीय भूमिका

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार हरेराम वाजपेयी इंदौर ने कहा कि व्रत, पर्वोत्सवों ने देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ एकता को मजबूती देने में अविस्मरणीय भूमिका निभाई है. नागरी लिपि परिषद के महामंत्री डॉ हरिसिंह पाल, नई दिल्ली ने कहा कि दीपावली पर्व बाहर के साथ अंदर की शुद्धि और पवित्रता का पर्व है. प्राचार्य डॉ अनसूया अग्रवाल महासमुंद, छत्तीसगढ़ ने कहा कि विभिन्न पर्व उत्सव लोकजीवन को सार्थक दिशाबोध देते हैं.

परिवर्तन प्रकृति का नियम

सुरेश चंद्र शुक्ल, ओस्लो, नॉर्वे ने कहा कि दीपावली सहित विभिन्न पर्व उत्सव हमारे कृषि जीवन से जुड़े हुए हैं. विविध फसलों से प्राप्त सामग्री को आस्था के साथ देवताओं को अर्पित किया जाता है. डॉ जितेंद्र कुमार तिवारी मुंबई ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है. भारतीय परंपरा में निरन्तर परिवर्तित होने वाले जीवन चक्र को महिमा मिली है.